

मसामारण

EXTRAORDINARY

भाग II—सन्द 3—उपसन्द (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 350]

नई विल्ली, बुधवार, सि.तम्बर 23, 1970/प्राक्ष्विन 1, 1892

350] NEW DELHI, WEDNE-DAY, SEPTEMBER 23, 1970/ASVINA 1, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रक्ता जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd September 1970

S.O. 3125.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (ix) of clause (a) of sub-section (1) of section 2 of the Essential Services Maintenance Act, 1968 (59 of 1968), the Central Government, being of opinion that strikes in any service connected with the supply of electrical energy by the Damodar Valley Corporation established under the Damodar Valley Corporation Act, 1948, or with the generation, storage or transmission of electrical energy for the purpose of such supply would result in the infliction of grave hardship on the community, hereby declares every such service to be an essential service for the purposes of the first-mentioned Act

[No. F. 20(11)/70-PE.] V. V. CHARI, Secy.

सिचाई श्रीर विद्युत् मंत्रालय

म्रिषस्**च**ना

नई दिल्ली, 23 सितम्बर 1970

का० मा० 3125.—मावश्यक सेवा मनुरक्षण मिनियम 1968 (1968 का 59) की धारा 2 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपखण्ड (ix) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, जिसकी यह राय है कि दामोदर घाटी निगम मिनियम, 1948 के मधीन स्थापित

दामोदर घाटी निगम द्वारा विद्युत् शक्ति के प्रदाय या ऐसे प्रदाय के लिए विद्युत् शक्ति के उत्पादन भंडारकरण या संचरण से संबंधित किसी सेवा में हड़तालों के परिणामस्वरूप समुदाय को गम्भीर कठिनाई उत्पन्न हो जाएगी, एतद् द्वारा प्रथम वर्णित अधिनियम के प्रयोजनों के लिए हर ऐसी सेवा को प्रावश्यक सेवा घोषित करती है ।

> [सं० फा० 20 (11) / 70—सा०उ० वी० वी० चारि, संचिव।

ORDER

New Delhi, the 23rd September 1970

S.O. 3126.—Whereas the Central Government is satisfied that in the public interest it is necessary to make the following order:

[No. F. 20(11)/70-PE.]
By order and in the name of the President.
V. V. CHARI, Secy.

मावेश

नई दिल्ली, 23 सितम्बर 1970

का० आ० 3126.—यत: फेन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि लोक हित में निम्न-लिखित श्रादेश बनाना श्रावश्यक है :

श्रतः, श्रव, श्रावश्यक सेवा श्रनुरक्षण श्रधिनियम, 1968 (1968 का 59) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा दामोदर घाटी निगम श्रधिनियम, 1948 के श्रधीन स्थापित दामोदर घाटी निगम द्वारा विद्युत् शक्ति के प्रदाय से या ऐसे प्रदाय के प्रयोजन के लिए विद्युत् शक्ति के उत्पादन, भंडारकरण या संचरण से संबंधित किसी ऐसी सेवा में हड़तालों का प्रतिषेध करती है, जिसे भारत सरकार के सिचाई श्रौर विद्युत् मंत्रालय की श्रधिसूचना सं० का० श्रा० तारीख 1970 द्वारा प्रथम वर्णित श्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए श्रावश्यक सेवा घोषित किया जा चुका है।

[सं० फा० 20(11)/70-सा० उ०] राष्ट्रपति केनाम में ग्रौर ग्रादेण से । वी० वी० चारि, सचिव ।